



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 2-2022] CHANDIGARH, TUESDAY, JANUARY 11, 2022 (PAUSA 21, 1943 SAKA)

PART II

Notifications of Election Commission of India-Other Notifications and Republications from the Gazette of India

भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन,
अशोक रोड,
नई दिल्ली-110001
दिनांक : 20 दिसम्बर, 2021
29 अग्रहायण, 1943 (शक)

आदेश

सं० 76/भा०नि०आ०/आदे०/क्ष०/उ०अनु०-II/हरि०-वि०सभा/65/2019.- यतः, आयोग ने हरियाणा राज्य के 65-बादली विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए दिनांक 27.09.2019 की अपनी अधिसूचना के द्वारा विधानसभा के साधारण निर्वाचन आयोजित करने की घोषणा की थी और श्री नरेश पाल, राष्ट्रीय जनता दल ने पूर्वोक्त निर्वाचन लड़ा था;

और यतः, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77(1) के अनुसार, निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी, वह तिथि जब उसे नाम-निर्देशित किया गया है और उसके परिणाम की घोषणा की तिथि, दोनों तारीखें सम्मिलित, के बीच अपने द्वारा या अपने निर्वाचन एजेंट द्वारा उपगत या अधिकृत निर्वाचन संबंधी सभी खर्चों का, या तो स्वयं या अपने निर्वाचन एजेंट द्वारा, एक पृथक और सही लेखा रखेगा और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 78 के अनुसार, निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी, निर्वाचित अभ्यर्थी के निर्वाचन की तारीख से तीस दिनों के भीतर अपने निर्वाचन व्यय का लेखा जिला निर्वाचन अधिकारी को दर्ज करेगा जो धारा 77 के अंतर्गत उसके द्वारा अथवा उसके निर्वाचन एजेंट द्वारा रखे गए लेखे की सत्य प्रतिलिपि होगी;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89(2) के अधीन मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा के पत्र सं. 06 (झज्जर)HVSElec-Exp.-2019/819, दिनांक 03.02.2020 के जरिए जिला निर्वाचन अधिकारी, सिरसा, हरियाणा द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा राज्य के 65-बादली विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले राष्ट्रीय जनता दल अभ्यर्थी, श्री नरेश पाल विधि द्वारा यथापेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्यय का कोई लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, झज्जर, हरियाणा और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा की रिपोर्टों के आधार पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचनों के संचालन नियम, 1961 के नियम 89 के उप नियम (5) के तहत निर्वाचन व्यय का लेखा दाखिल न करने पर, श्री नरेश पाल को कारण बताओ नोटिस दिनांक 06.03.2020 को जारी किया गया था;

और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89 के उप नियम (6) के अनुसार, दिनांक 06.03.2020 के उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस के माध्यम से, श्री नरेश पाल को निदेश दिया गया था कि वे इस नोटिस के प्राप्त होने के 20 दिनों के भीतर लेखे प्रस्तुत न कर पाने का कारण स्पष्ट करते हुए आयोग को लिखित में अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत करें और साथ ही, निर्वाचन व्यय का अपना लेखा दाखिल करें/अपने लेखे में त्रुटियों को सही करें और उसे संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रस्तुत करें;

और यतः, श्री नरेश पाल, द्वारा उक्त नोटिस दिनांक 16.06.2020 को स्वयं उनके द्वारा प्राप्त किया गया था। अभ्यर्थी से प्राप्त पावती जिला निर्वाचन अधिकारी, झज्जर, हरियाणा द्वारा दिनांक 02.07.2020 के पत्र सं. निर्वाचन-2020/364 द्वारा आयोग को प्रस्तुत कर दी गई थी।

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, झज्जर, हरियाणा द्वारा दिनांक 27.08.2021 के अपने पत्र सं. निर्वाचन-2021/539 के द्वारा प्रस्तुत अनुपूरक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि श्री नरेश पाल ने न तो कोई अभ्यावेदन दिया है और न ही मूल वाउचर्स सहित विधिवत रूप से हस्ताक्षरित निर्वाचन व्यय के सही लेखे प्रस्तुत किए हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के सम्यक् नोटिस की प्राप्ति के बाद भी उक्त असफलता हेतु न तो कोई कारण बताया न ही स्पष्टीकरण दिया है;

और यतः, भारत निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि श्री नरेश पाल, निर्वाचन व्यय का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं और असफलता के लिए उनके पास कोई समुचित कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

और यतः, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क में यह अनुबंधित किया गया है कि:-

"यदि निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो जाता है कि कोई व्यक्ति-

(क) निर्वाचन व्ययों का लेखा उस समय के भीतर और उस रीति में जैसी इस अधिनियम के द्वारा या कानून के अधीन अपेक्षित है, दाखिल करने में असफल रहा है; तथा

(ख) उसके पास उस असफलता के लिए कोई समुचित कारण या न्यायोचित्य नहीं है, तो निर्वाचन आयोग शासकीय राजपत्र में प्रकाशित आदेश द्वारा उसको निरर्हित घोषित करेगा और ऐसा कोई भी व्यक्ति उस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित रहेगा;

अब इसलिए, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क के अनुसरण में भारत निर्वाचन आयोग एतद्वारा हरियाणा राज्य के 65-बादली विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा के साधारण निर्वाचन-2019 में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी, श्री नरेश पाल, गांव व डाकघर-कुतानी, तहसील व जिला-झज्जर, हरियाणा को संसद के किसी भी सदन या राज्य या संघ राज्य-क्षेत्र की विधानसभा अथवा विधान परिषद के लिए सदस्य चुने जाने या होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

आदेश से,

अजय कुमार,
सचिव,
भारत निर्वाचन आयोग।

ELECTION COMMISSION OF INDIA

Nirvachan Sadan,
Ashoka Road,
New Delhi-110001

Dated: 20th December, 2021

29 Agrahayana., 1943 (Saka)

Order

No. 76/ECI/ORD/TERR/NS-II/HAR-LA/65/2019.— WHEREAS, the Commission had declared to hold the General Election to the Legislative Assembly of the State of Haryana to **65- Badli** Assembly Constituency vide its Notification dated **27.09.2019** and **Shri Naresh Pal, Rashtriya Janta Party** had contested the aforesaid election;

AND WHEREAS, as per Section 77 (1) of the Representation of the People Act, 1951, every candidate at election shall, either by himself or by his election agent, keep a separate and correct account of all expenditure in connection with the election incurred or authorized by him or by his election agent between the date on which he has been nominated and the date of declaration of the result thereof, both dates inclusive & as per Section 78 of the Representation of the People Act, 1951, every contesting candidate at an election shall, within thirty days from the date of election of the returned candidate lodge with the District Election Officer (DEO) account of his election expenses which shall be a true copy of the account kept by him or by his election agent under Section 77.

9439—C.S.—H.G.P., Pkl.